आंदोलन से चौपट हो रही शिक्षा

Education Disaster

» शिक्षण संस्थानों में टीचर्स आंदोलनरत

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (5 Aug) : जहां एक ओर स्टेट में एजूकेशन के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव परेशानी का सबब बना हुआ है. वहीं दूसरी ओर एजूकेशन फील्ड में चल रहे आंदोलन बच्चों के लिए मुसीबत बने हुए हैं. स्टेट की प्राइमरी लेवल एजूकेशन की बात करें या माध्यमिक और हायर एजूकेशन सेक्टर की, हर जगह आंदोलनों का दौर चल रहा है. गवर्नमेंट की अनदेखी के चलते जहां आंदोलन लगातार बड़ा रूप लेते जा रहे हैं वहीं स्टूडेंट्स की एजूकेशन चौपट होती जा रही है.

रमसा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

ट्यूजडे को जहां रमसा कर्मियों ने एजूकेशन डायरेक्ट्रेट में झाड़ू लगाकर प्रदर्शन किया वहीं सातवें दिन भी पॉलिटेक्निक कॉन्ट्रेक्टेड टीचर्स अनशन पर बैठे रहे. प्राथमिक शिक्षक संघ ने भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है. संघ ने अपनी 22 सूत्रीय मांगों के 20 सितंबर तक पूरा न होने पर 21 सितंबर से स्कूल्स में ताला बंदी का एलान किया है.

> **हमारा मकसद केवल धरना प्रदर्शन करना नहीं है, लेकिन सरकार के गलत फैसले और नीतियों के कारण टीचर्स मजबूर होते है. इसकी वजह से बच्चों को भी परेशानी होती है, लेकिन गवर्नमेंट न टीचर्स के बारे में सोचती है और न बच्चों के बारे में सोचती है.**
>
> – विरेंद्र सिंह कृषाली
> प्रेसीडेंट, प्राथमिक शिक्षक संघ

PIC INEXT

पॉलिटेक्निक टीचर्स की हेल्थ लगातार गिर रही है.

स्टूडेंट्स हो रहे परेशान

पॉलिटेक्निक कॉलेजेज में 16 जुलाई से सेशन स्टार्ट हो चुका है. लेकिन टीचर्स लंबे समय से आंदोलन की राह पकड़े हुए हैं. ऐसे में इन स्टूडेंट्स की पढ़ाई का लगातार नुकसान हो रहा है. उधर, प्राथमिक टीचर्स के स्कूल पर तालाबंदी के एलान ने स्टूडेंट्स के लिए ओर परेशानी खड़ी कर दी है. अगर स्कूल्स पर ताला लटकता है तो हजारों स्टूडेंट्स की पढ़ाई का नुकसान होगा. यह संगठन अपनी मांगों को पूरा करने के लिए पिछले काफी समय से आवाज उठा रहे थे, लेकिन सरकार ने उनकी नहीं सुनी और उन्होंने यह कदम उठा लिया. स्टेट गवर्नमेंट के कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर देना एक ऐसा पैटर्न है जो बरसों से चला आ रहा है. आए दिन गवर्नमेंट की गलत नीतियों और अपनी मांगों को मनवाने को लेकर हड़तालें आम हो गई है. लेकिन असल खामियाजा स्टेट के स्टूडेंट्स को चुकाना पड़ रहा है.

हड़ताल पर रहे वकील

DEHRADUN: ऑनलाइन रजिस्ट्री होने के विरोध में दून बार एसोसिएशन के एडवोकेट्स ने ट्यूजडे को कार्य बहिष्कार किया. जिससे वादकारियों को खासी दिक्कतें झेलनी पड़ी. अन्य कामकाज भी प्रभावित हुए. बुधवार को कार्य बहिष्कार कर वकील हड़ताल पर रहेंगे.

झाड़ू लगाकर विरोध

आश्वासन के बाद भी कॉन्ट्रेक्ट रिन्यू न होने से नाराज आउटसोर्स रमसा कर्मचारियों ने ट्यूजडे को एजूकेशन डायरेक्ट्रेट में झाड़ू लगाकर विरोध जताया. उन्होंने कहा कि गवर्नमेंट उनके साथ वायदा खिलाफी कर रही है. प्रदर्शन के दौरान स्टेट प्रेसीडेंट सुभाष लखेड़ा ने कहा कि शिक्षा मंत्री और सीएम के आश्वासन के बाद उन्होंने स्कूल नहीं छोड़े. उन्होंने कहा कि तय समय बीतने के बावजूद उनका कॉन्ट्रेक्ट रिन्यू नहीं किया जा रहा है. प्रदर्शन करने वालो में भगवती प्रसाद, आनंद बडोनी, योगेंद्र बडोनी प्रीति आदि मौजूद रहे.

अनशनकारी को पुलिस ने उठाया

DEHRADUN : आमरण अनशन पर बैठे पॉलिटेक्निक टीचर्स का स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद पुलिस ने उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया है. साथियों को जबरन उठाए जाने का अन्य धरनारत टीचर्स ने जोरदार विरोध किया. इसको लेकर उनकी पुलिसकर्मियों से बहस भी हुई. दरअसल डॉक्टर्स ने अनशकारी पूनम रावत, दिव्या नेगी, पूरन राणा और मनीष भट्ट को हॉस्पिटल में एडमिट कराने और फोर्स फीडिंग कराने की सलाह दी थी. जिसके बाद पुलिस ने टीचर्स को जबरन उठाकर हॉस्पिटल में एडमिट करा दिया. इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोंक-झोंक भी हुई. टीचर्स ने कहा कि पुलिस द्वारा आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है. सोसाइटी के स्टेट प्रेसीडेंट सर्वेश चौधरी ने कहा कि मांगे पूरी होने तक अनशन जारी रहेगा.

स्टूडेंट्स खुद कर सकेंगे डाक्यूमेंट्स अटेस्ट

» मोदी सरकार के फैसले को लागू करने वाला पहला कॉलेज

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (5 Aug) : डीएवी पीजी में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स के अच्छी खबर है. अब उन्हें डाक्यूमेंट्स अटेस्ट कराने के झंझट से मुक्ति मिल गई है. कॉलेज ने सेल्फ अटेस्टेशन की व्यवस्था लागू कर दी है. यह व्यवस्था वेडनसडे से लागू कर दी जाएगी.

आदेश जारी नहीं किया गया

हाल ही में मोदी सरकार इन मामले में कानून भी लागू कर चुकी है, हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया गया है, लेकिन सिटी के डीएवी पीजी कॉलेज ने सरकार के इस नए नियम को लागू कर दिया है. कॉलेज में वेडनसडे से स्टूडेंट्स सेल्फ अटेस्टेड डॉक्यूमेंट्स को जमा कराकर एडमिशन प्राप्त कर सकते हैं. एडमिशन सीजन हो या एंट्रेंस टेस्ट और या फिर जॉब के लिए अप्लाई करना हो, अभी तक सभी में कैंडिडेट्स को राजपत्रित अधिकारी द्वारा डॉक्यूमेंट्स अटेस्ट कराने होते थे, जिस वजह से स्टूडेंट्स को गवर्नमेंट ऑफिसर्स के चक्कर काटने पड़ते थे. अकेले डीएवी की बात करें तो यहां अप्लिकेंट्स की संख्या इतनी ज्यादा होती है कि यहां स्टूडेंट्स को डॉक्यूमेंट्स अटेस्ट कराने के लिए कई-कई चक्कर लगाने पड़ते हैं.

फॉर्मेट लागू

डीएवी पीजी कॉलेज को अभी तक कोई लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुए हैं, लेकिन इस सेशन से सेल्फ अटेस्टेशन फॉर्मेट लागू करने जा रहा है. स्टूडेंट्स वेडनसडे से सेल्फ अटेस्ट डॉक्यूमेंट्स के जरिए एडमिशन प्राप्त कर सकते हैं.

Official stand

वेडनसडे से व्यवस्था लागू होगी. डॉक्यूमेंट्स अटेस्ट कराने की जरूरत नहीं है. कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिलिंग और एडमिशन के वक्त ओरिजनल डॉक्यूमेंट्स को चेक करेगा. लागू करने के कोई आदेश प्राप्त नहीं हुए, लेकिन स्टूडेंट्स को प्रॉब्लम न हो इसके लिए इस व्यवस्था को लागू किया गया है.
- **डा. देवेंद्र कुमार भसीन**, प्रिंसिपल, डीएवी पीजी कॉलेज